2nd Term Worksheet [2018 – 19]

Subject – Hindi Language

Class – V

Name : **Sec. :**

पाठ – 5
(लिंग)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 25)**

क. लिंग किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. लिंग के कितने भेद होते हैं? उनकी परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प पर (√) का चिह्न लगाओ– **(पृष्ठ सं0 25)**

क. 'स्वामिनी' शब्द में कौन–सा प्रत्यय लगा है?

1. ई 2. इनी

ख. 'जनक' का स्त्रीलिंग होगा–

1. जनकी 2. जननी

ग. 'आनी' प्रत्यय लगाकर शब्द बना है–

1. सेठानी 2. शेरनी

घ. लिंग के भेद होते हैं–

1. तीन 2. दो

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताओ– **(पृष्ठ सं0 26)**

	शब्द	लिंग
क.	सम्राट	....
ख.	रोटी	....
ग.	भारत	....
घ.	कहानी	....
ङ.	कविता	....

4. **रेखाकिंत शब्दों के लिंग बदलकर रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–** **(पृष्ठ सं0 26)**

क. वर और .... को सब लोगों ने आशीर्वाद दिया।

ख. राम का पुत्र गुणवान् है और उसकी पुत्री .... है।

ग. गाय हमें दूध देती है और .... खेतों में काम करता है।

घ. रामू का पड़ोसन जितनी मृदुभाषिणी है, उसका पति उतना ही .... है।

ङ. मोर जितना सुंदर होता है .... उतनी सुंदर नहीं होती।

5. **स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दों की अलग–अलग श्रेणियाँ बनाओ–** **(पृष्ठ सं0 26)**

गाय,	सुता,	कवि,	मोर,	शेर,	माँ,	नायक,	अध्यापक,	गायिका,	रूपवती

	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
क.	....	....
ख.	....	....
ग.	....	....
घ.	....	....
ङ.	....	....

पाठ – 6
(वचन)

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **(पृष्ठ सं0 30)**

क. वचन की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. वचन के कितने भेद होते हैं? इनकी परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. **निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखो–** **(पृष्ठ सं0 30)**

क. छात्र ....

ख. घड़ी ....

ग. चिड़िया ....

घ. पुस्तक ....

ङ. नदी ....

3. चार ऐसे शब्दों के उदाहरण दो जिनका प्रयोग सदैव बहुवचन में किया जाता है– (पृष्ठ सं0 30)

क. .... ख. ....

ग. .... घ. ....

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प पर (√) का चिह्न लगाओ– (पृष्ठ सं0 30)

क. 'नारी' का बहुवचन होगा–

1. नारिया 2. नारियाँ

ख. 'कथाएँ' का एकवचन होगा–

1. कथाओं 2. कथा

ग. 'वचन' के भेद होते हैं–

1. चार 2. दो

घ. क्रोध, क्षमा, प्रेम सदैव होता है–

1. एकवचन 2. बहुवचन

5. कोष्ठक में दिए गए विकल्प से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति करो– (पृष्ठ सं0 30)

क. पिता जी अखबार ....। (पढ़ रहे हैं/पढ़ रहा है)

ख. आँख से आँसू ....। (निकल पड़ा/निकल पड़े)

ग. यहाँ चार लोग ....। (बैठे थे/बैठा था)

घ. दूध का रंग सफ़ेद ....। (होता है/होते हैं)

<u>निबंध</u>

अनुशासन का महत्त्व

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कहानी / चित्र लेखन

सिद्धि मंत्र

<u>पत्र</u>

शुल्क मुक्ति हेतु प्रधानाचार्या को पत्र।

पत्र

अपने नए विद्यालय के संबंध में मित्र को पत्र।

....

....

विलोम शब्द

कृतज्ञ	....	कोमल	....
कम	....	क्रय	....
कुपात्र	....	खरा	....
सुख	....	गरीब	....
गंदा	....	गुप्त	....
ईमानदार	....	इधर	....
उपस्थित	....	उपयोगी	....
उदार	....	उन्मुख	....
उष्ण	....	उत्थान	....
उचित	....	रात	....
उदय	....		

पर्यायवाची शब्द

तालाब ....

दरिद्र ....

देवता ....

नदी ....

पक्षी ....

पथिक ....

पुत्र ....

पर्वत ....

पवन ....

फूल ....

बंदर ....

बिजली ....

भौंरा ....

मोर ....

मृत्यु ....

रात ....

वाक्यांश

1. जो बोल न सके ....
2. भविष्य में होने वाला ....
3. नीचे लिखा हुआ ....
4. जो किसी से न डरे ....
5. रास्ता दिखाने वाला ....
6. जो दूसरों के आधीन हो ....
7. सप्ताह में एक बार होने वाला ....
8. महीने में एक बार होने वाला ....

9. कम खाने वाला ....
10. जो लोगों में प्रिय हो ....
11. जो विष्णु की उपासना करता है ....
12. जो शिव की उपासना करता है ....
13. बहुत अधिक बोलने वाला ....
14. सौतेली माँ ....
15. सदा रहने वाला ....

पाठ – 8
(सर्वनाम)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 38)**

क. सर्वनाम की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

ख. सर्वनाम के कितने भेद होते हैं? सभी के नाम लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ग. पुरुषवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

2. दिए गए सर्वनाम शब्दों में से उचित सर्वनाम शब्द द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करो– **(पृष्ठ सं0 39)**

क. .... क्या पढ़ रहे हो? (मैं / तुम)

ख. वह बालक .... पुत्र है? (किसका / किनका)

ग. .... कहाँ रहती है? (तुम / वह)

घ. .... खेल रहे हैं। (वे / वह)

ङ. .... भारतीय हैं। (मैं / हम)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प पर (√) का चिह्न लगाओ– **(पृष्ठ सं0 39)**

क. सर्वनाम के भेद होते हैं–

1. सात 2. छः

ख. स्वयं के लिए प्रयोग किए जाने वाले सर्वनाम कहलाते हैं–

1. निजवाचक 2. पुरुषवाचक

ग. कौन, क्या, कहाँ सर्वनाम हैं–

1. निश्चयवाचक 2. प्रश्नवाचक

घ. जो किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध कराए, वह होगा–

1. निश्चयवाचक सर्वनाम 2. अनिश्चयवाचक

4. उचित मिलान करो– **(पृष्ठ सं0 39)**

क.	कल मैं विद्यालय जाऊँगा।	संबंधवाचक सर्वनाम
ख.	तुम्हारा क्या नाम है?	अनिश्चयवाचक सर्वनाम
ग.	मैं अपने आप चला जाऊँगा।	पुरुषवाचक
घ.	दूध में कुछ पड़ा है।	निजवाचक सर्वनाम
ङ.	जो बोएगा सो काटेगा।	प्रश्नवाचक सर्वनाम

अपठित गद्यांश

हमारे आसपास जो कुछ भी है, वह पर्यायवरण कहलाता है। वायुमंडल, वृक्ष, नदी–नाले, आसमान, बाग–बगीचे, सड़कें, कारखाने आदि सभी कुछ पर्यायवरण के अंतर्गत ही आते हैं। आज पर्यावरण की सबसे बड़ी समस्या इसके दूषित होने की है। कल–कारखानों से उठता धुआँ, नगरों में बढ़ती भीड़ तथा यातायात के साधनों की लगातार बढ़ती हुई संख्या इसे प्रदूषित करती जा रही है। इसे प्रदूषित करने वाले कोई और नहीं, बल्कि हम ही हैं। बढ़ती जनसंख्या के कारण हमारी ज़रूरतों में भी निरंतर बढ़ोतरी होती गई है। उन ज़रूरतों को पूरा करने के लिए हमने सीधा पर्यावरण पर प्रहार किया और आज स्थिति यह है कि हम स्वयं साँस लेने में कतराते हैं। बढ़ते हुए जल, भूमि और ध्वनि प्रदूषण ने हमारे जीवन को खतरों से भर दिया है। लगातार बढ़ने वाले इस पर्यावरण के प्रदूषण को दूर करना होगा। इसे दूर करने प्रयास भी हमें करने है। हमें चाहिए कि ज्यादा–से–ज्यादा वृक्ष लगाकर हम वायु को शुद्ध करने में अपना योगदान दें। पर्यावरण में धूल–धुएँ की मात्रा को कम करने के लिए हमें वाहनों के प्रयोग पर रोक लगानी होगी तथा जल की शुद्धता के लिए लोगों में जागृति लानी होगी, ताकि वे नदियों में कूड़ा–करकट तथा रसायन न डालें। इस प्रकार हम अपने पर्यावरण की सुरक्षा ही नहीं करेंगे वरन प्रकृति को सुंदर बनाने में भी अपना योगदान देंगे।

ऊपर लिखे गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो– **(पृष्ठ सं0 75)**

क. पर्यावरण के अंतर्गत क्या आते हैं?

उ0 ....

....

....

....

ख. पर्यावरण को कौन प्रदूषित करती जा रही है?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. पर्यावरण को शुद्ध करने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. जल की शुद्धता लाने के लिए हमें कैसी जागृति लानी होगी?

उ0 ....

....

....

....

ङ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखो।

उ0 ....

....

<u>अनुच्छेद लेखन</u>

डायरी लेखन

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

अपठित पद्यांश

सच है विपत्ति जब आती है
कायर को ही दहलाती है,
सूरमा नहीं विचलित होते
क्षण एक नहीं धीरज खोते।
विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं।

ऊपर लिखे पद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो– **(पृष्ठ सं0 78)**

क. विपत्ति किसका दिल दहलाती है?

उ0 ....

....

ख. कौन एक क्षण भी धीरज नहीं खोते हैं?

उ0 ....

....

ग. सूरमा किसको गले लगाते हैं?

उ0 ....

....

घ. सूरमा कहाँ राह बनाते हैं?

उ0 ....

....

ङ. उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखो।

उ0 ....

....

मुहावरे

अर्थ लिखकर मुहावरों का वाक्य–प्रयोग कीजिए– **(पृष्ठ सं0 59)**

झख मारना – ....

....

....

ठन–ठन गोपाल – ....

....

....

ताक में रहना – ....

....

....

तिल का ताड़ बनाना – ....

....

....

तूती बोलना – ....

....

....

थाली का बैगन – ....

....

....

दबे पाँव निकलना – ....

....

....

दाँत कटी रोटी होना – ....

....

....

दौड़–धूप करना – ....

....

....

दिन फिरना – ....

....

....

नाक रगड़ना – ....

....

....

नाक कटना – ....

....

....

नाकों चने चबाना – ....

....

....

नौ–दो ग्यारह होना – ....

....

....

पापड़ बेलना – ....

....

....

पानी–पानी होना – ....

....

....

पेट में चूहे दौड़ना – ....

....

....

बाग–बाग होना – ....

....

....

मुँह में पानी भर आना – ....

....

....

मुँह छिपाना – ....

....

....

हाथ खाली होना – ....

....

....

हाथ मलना – ....

....

....

<u>लोकोक्तियाँ</u>

अर्थ लिखकर लोकोक्तियों का वाक्य–प्रयोग कीजिए– **(पृष्ठ सं0 60)**

एक और एक ग्यारह – ....

....

....

कंगाली में आटा गीला – ....

....

....

कभी नाव गाड़ी में कभी गाड़ी नाव में – ....

....

....

खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है – ....

....

....

घर की मुरगी दाल बराबर – ....

....

....

जाके पाँव न फटी बिवाई सो क्या जाने पीर पराई– ....

....

....

श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द

1.	तुरंग	....	2.	उपयुक्त	....
	तरंग	....		उपर्युक्त	....
3.	आदि	....	4.	आय	....
	आदी	....		आयु	....
5.	अन्न	....	6.	अब्ज	....
	अन्य	....		अब्द	....
7.	आकार	....	8.	कूल	....
	आगार	....		कुल	....
9.	कली	....	10.	कृति	....
	कलि	....		कृती	....
11.	खाद्य	....	12.	दिन	....
	खाद	....		दीन	....

अनेकार्थी शब्द

गौ ....

घन ....

घनु ....

नाना ....

नाग ....

निशाचर ....

पानी ....

पत्र ....

पक्ष ....

पतंग ....